SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

बाइबल बुद्धि के बारे में क्या कहती है? — इसे जीवन में उतारना · स्ट्रॉन्गस नंबरों सहित केजेवी पवित्रशास्त्र

इसे जीवन में उतारना · परमेश्वर के साथ चाल — रेंगना, चलना, दौड़ना, समाप्त करना

ज्ञान — मौलिक बाइबल सिद्धांत

उद्घाटन शब्द

बुद्धि पहले चाल है, फिर मुकुट है। बालक एक ही दिन में नहीं चलता: पहले वह घुटनों के बल चलता है, और जो उसकी पहुँच से परे है उसके लिए रोता है; फिर उसे चलना सिखाया जाता है, कदम-कदम करके; फिर वह अकेला चलता है; फिर वह बढ़ता है, और दौड़ता है। और जो अच्छी तरह दौड़ता है वह एक दौड़ में दौड़ता है, और उस दौड़ का अंत होता है, और अंत में एक पुरस्कार होता है। परमेश्वर के साथ चाल में बुद्धि भी वैसी ही है। इब्रानी शब्द है चोकमाह (H2451, बुद्धि) — मार्ग के लिए कौशल और समझ; और इसका साथी है बिनाह (H998, समझ), क्योंकि ये दोनों सदा साथ-साथ चलते हैं: बुद्धि प्राप्त कर, समझ प्राप्त कर। इन दोनों में प्रवेश का द्वार है यिराह (H3374, भय) — यहोवा का भय, जो आरम्भ है। यूनानी शब्द है सोफिया (G4678, बुद्धि), और स्ट्रॉन्गस कहता है कि यह ऊँची या नीची, सांसारिक या आत्मिक हो सकती है — इसलिए मनुष्य को वह बुद्धि लेनी चाहिए जो ऊपर से है। यह अध्ययन बुद्धि को मनुष्य की सम्पूर्ण यात्रा में साथ लेकर चलता है: वह इसे कैसे पाता है जब वह केवल घुटनों के बल चल सकता है और इसके पीछे रो सकता है; एक बार पाने के बाद वह इसे कैसे थामे रखता है और इसमें कैसे चलता है; वह इसके साथ कैसे दौड़ता है और परमेश्वर की सेना में एक सैनिक की तरह इसे कैसे अर्पित करता है; और अंत में वह रेखा कैसे पार करता है, जहाँ मसीह स्वयं परमेश्वर की बुद्धि है, और जहाँ हमारे परमेश्वर का वचन सदा स्थिर रहता है। इसे खोज निकालो।

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. बुद्धि कहाँ मिलती है, और मनुष्य पहली बार उसे कैसे प्राप्त करता है?
2. एक बार जब किसी व्यक्ति को बुद्धि प्राप्त हो जाए, तो उसे उसका क्या करना चाहिए, और यह दिन-प्रतिदिन के जीवन में कैसे जी जाती है?
3. यह दौड़ किस प्रकार समाप्त होती है — परमेश्वर का ज्ञान कौन है, और कौन-सा वचन सर्वदा बना रहता है?

ग्रीक मुख्य शब्द

"ज्ञान" — **G4678 sophia** — सांसारिक या आध्यात्मिक, ऊंचा या नीचा, ज्ञान
परमेश्वर की सामर्थ्य और परमेश्वर का ज्ञान मसीह

"बुद्धिमान" — **G4680 sophos** — बुद्धिमान, कुशल
बुद्धिमानों की नाईं चलो, न कि निर्बुद्धियों की नाईं

"बुद्धिमान" — **G5429 phronimos** — विचारशील, विवेकपूर्ण, बुद्धिमान

इसलिये तुम सांपों के समान बुद्धिमान बनो

"उदारता से" — **G574 haplos** — उदारतापूर्वक, प्रचुरता से
परमेश्वर सब मनुष्यों को उदारता से देता है

"उलाहना देना" — **G3679 oneidizo** — डाँटना, उलाहना देना, फटकारना
और दोष नहीं निकालता

"छुड़ाना" — **G1805 exagorazo** — छुड़ाना, मोल लेना
समय को मोल लेते हुए, क्योंकि दिन बुरे हैं

"बातचीत" — **G391 anastrophe** — आचरण, व्यवहार
अपने भले चालचलन से अपने काम दिखाए

"बालक" — **G1025 brephos** — बच्चा, शिशु, नवजात
आपने बचपन से पवित्र शास्त्र को जाना है

"बुद्धिमान" — **G4679 sophizo** — बुद्धिमान बनाना
मुक्ति के लिये बुद्धिमान बनाने में समर्थ

"निर्दोष" — **G185 akeraios** — निर्दोष, मिश्रणरहित, सरल
कबूतरों के समान भोले

(मेरे व्यक्तिगत विचार — देखिए यह शब्द किस प्रकार बना है। स्ट्रॉन्स कहता है कि सोफ़िया (G4678, बुद्धि) ऊँचे या नीचे, सांसारिक या आत्मिक की ओर पहुँचती है — एक शब्द, दो मार्ग। याकूब उन्हें अलग करता है: एक बुद्धि ऊपर से है, और एक बुद्धि सांसारिक है। और प्रभु के पास उन लोगों के लिए एक तीसरा शब्द है जिन्हें वह भेजता है, फ्रोनिमोस (G5429, बुद्धिमान) — स्ट्रॉन्स कहता है विचारशील, विवेकी — भेड़ियों के बीच भेड़ों की सजग बुद्धि। यह अध्ययन इन तीनों से मिलेगा।)

हिब्रू मुख्य शब्द

"ज्ञान" — **H2451 chokmah** — बुद्धि, कौशल, प्रज्ञा
यहोवा का भय मानना बुद्धि का आरम्भ है

"समझ" — **H998 biynah** — समझ, ज्ञान, अर्थ
समझ को प्राप्त करो, अपनी सारी प्राप्ति में समझ को प्राप्त करो

"भय" — **H3374 yirah** — भय, श्रद्धा
यहोवा का भय मानना, यही बुद्धि है

"बुद्धिमान" — **H2450 chakam** — बुद्धिमान, कुशल
बुद्धिमान पुरुष बलवान होता है

"समझना" — **H995 biyn** — समझना, विवेचन करना
यहोवा के भय को समझें

"आरंभ" — **H7225 reshiyth** — आरंभ, प्रथम, प्रमुख
यहोवा का भय मानना ज्ञान का आरम्भ है

"आरंभ" — **H8462 techillah** — एक आरम्भ, एक शुरुआत
यहोवा का भय मानना बुद्धि का आरम्भ है

"समझ" — **H8394 tebuwnah** — समझ, कारण, कुशलता
वह मनुष्य जो समझ प्राप्त करता है

"प्राप्त करना" — **H6329 puwq** — खींचना, प्राप्त करना, हासिल करना
यहोवा से अनुग्रह प्राप्त करेगा

"पा लेना" — **H7069 qanah** — प्राप्त करना, अधिकार में लेना, मोल लेना
ज्ञान प्राप्त कर, समझ प्राप्त कर

(मेरे व्यक्तिगत विचार — चोकमाह (H2451, बुद्धि) चाकाम (H2450, बुद्धिमान) से आता है; यह बहुत सी बातें जानना नहीं, बल्कि मार्ग के लिए कुशलता है। बीनाह (H998, समझ) बीन (H995, समझना) से आता है — स्ट्रॉन्स कहता है कि मन में अलग करना, विवेक करना — वस्तुओं के बीच देखना। और यिराह (H3374, भय) दोनों के द्वार पर खड़ा है: यहोवा का भय मानना ही आरम्भ है। परमेश्वर का भय नहीं, तो बुद्धि की प्राप्ति नहीं।)

I. रेंगना — इसे कैसे पाएँ

(मेरे व्यक्तिगत विचार — हर चाल नींव से शुरू होती है। एक बच्चा घुटनों के बल चलता है, और हाथ बढ़ाता है, और उसके लिए रोता है जो उसके पास नहीं है; और कोई भी बुद्धि से भरा हुआ पैदा नहीं होता। इसे पहले खोजा जाना चाहिए; और ये गवाह दिखाते हैं कहाँ, और कैसे। अय्यूब पूरे मंच से प्रश्न पूछता है: बुद्धि कहाँ पाई जाती है? और उत्तर दूर नहीं है: परमेश्वर से माँगो, उसके लिये पुकारो, उसे चाँदी की नाईं ढूँढो — और यहोवा के भय से आरम्भ करो। नीचे से आरम्भ करो, और आरम्भ करो।)

A. अय्यूब 28:12 "परन्तु बुद्धि कहाँ मिल सकती है? और समझ का स्थान कहाँ है? **[H998 biynah ⚑] [H4672 matsa ⚑] [H2451 chokmah ⚑]**

परन्तु बुद्धि कहाँ मिल सकती है? + और समझ का स्थान कहाँ है?

B. याकूब 1:5 पर यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो, तो परमेश्वर से माँगो, जो बिना उलाहना दिए सब को उदारता से देता है; और उसको दी जाएगी। **[G3679 oneidizo ⚑] [G574 haplos ⚑] [G154 aiteo ⚑] [G4678 sophia ⚑] [G3007 leipo ⚑]**

यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो → परमेश्वर से मांगे + उसे दी जाएगी।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ बच्चे का पूरा भाग है: उसे अभाव है, और वह माँगता है। स्ट्रॉन्स कहता है कि हैप्लोस (G574, liberally) का अर्थ है उदारतापूर्वक; और ओनेइडिज़ो (G3679, upbraid) का अर्थ है डाँटना, ताना मारना। परमेश्वर सभी लोगों को उदारतापूर्वक देता है, और माँगने वाले को नहीं डाँटता। बुद्धि का पहला कदम बुद्धिमान होना नहीं है; यह माँगना है।)

C. नीतिवचन 2:3 यदि तू प्रवीणता और समझ के लिये अति यत्न से पुकारे **[H998 biynah ⚑] [H7121 qara ⚑]**

यदि तू ज्ञान के लिये पुकारे + समझ के लिये अपनी आवाज़ ऊंची करे।

D. नीतिवचन 2:4 और उसको चाँदी के समान ढूँढ़े, और गुप्त धन के समान उसकी खोज में लगा रहे; (मत्ती 13:44) **[H4301 matmown ⚑] [H1245 baqash ⚑]**

उसे चांदी के समान खोजो + उसे गुप्त धन के समान ढूंढो।

E. नीतिवचन 2:5 तो तू यहोवा के भय को समझेगा, और परमेश्वर का ज्ञान तुझे प्राप्त होगा। **[H1847 daath ⚑] [H4672 matsa ⚑] [H3374 yirah ⚑] [H995 biyn ⚑]**

तब तू यहोवा के भय को समझेगा + परमेश्वर के ज्ञान को पाएगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — रोने पर ध्यान दें: यह एक बालक की आवाज़ है — तुम रोते हो, तुम अपनी आवाज़ ऊँची करते हो। और उस "तब" पर ध्यान दें: पुकारो, ढूँढ़ो, खोजो — तब तुम पाओगे। और जो पाया जाता है वह चाँदी नहीं है; वह स्वयं परमेश्वर का ज्ञान है। खोदना तुम्हारा काम है; ख़ज़ाना वही है।)

F. नीतिवचन 2:6 क्योंकि बुद्धि यहोवा ही देता है; ज्ञान और समझ की बातें उसी के मुँह से निकलती हैं। (याकू. 1:5) **[H2451 chokmah ⚑] [H5414 nathan ⚑]**

क्योंकि बुद्धि यहोवा ही देता है + ज्ञान और समझ की बातें उसी के मुँह से निकलती हैं। (याकू. 1:5.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — सुलैमान को याकूब के साथ रखें, और एक ही आवाज़ सुनें: यहोवा बुद्धि देता है — परमेश्वर से माँगो, और वह दी जाएगी। पुराना नियम और नया नियम एक ही बात कहते हैं। और ध्यान दें कि यह कहाँ से आती है: उसके मुँह से। बुद्धि वहाँ पाई जाती है जहाँ परमेश्वर बोलता है — उसके वचन में।)

G. नीतिवचन 1:7 यहोवा का भय मानना बुद्धि का मूल है; बुद्धि और शिक्षा को मूर्ख लोग ही तुच्छ जानते हैं। **[H1847 daath ⚑] [H7225 reshiyth ⚑] [H3374 yirah ⚑]**

यहोवा का भय मानना बुद्धि का मूल है + बुद्धि और शिक्षा को मूर्ख लोग ही तुच्छ जानते हैं.

H. नीतिवचन 9:10 यहोवा का भय मानना बुद्धि का आरम्भ है, और परमपवित्र परमेश्वर को जानना ही समझ है। **[H998 biynah ⚑] [H2451 chokmah ⚑] [H8462 techillah ⚑] [H3374 yirah ⚑]**

यहोवा का भय मानना बुद्धि का आरम्भ है + और परमपवित्र परमेश्वर को जानना ही समझ है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दो पद लगभग एक जैसे हैं; एक ही अंग्रेज़ी शब्द के नीचे दो शब्दों पर ध्यान दें। नीतिवचन 1:7 में "आरम्भ" रेशीथ (H7225) है — स्ट्रॉन्स कहता है पहला, मुख्य। नीतिवचन 9:10 में "आरम्भ" तेखिल्लाह (H8462) है — स्ट्रॉन्स कहता है शुरुआत, एक द्वार। यहोवा का भय दोनों है: वह द्वार जिससे मनुष्य प्रवेश करता है, और वह मुख्य स्थान जो वह सदैव के लिए धारण करता है। मनुष्य यहोवा के भय से आगे कभी नहीं बढ़ता।)

I. अय्यूब 28:28 तब उसने मनुष्य से कहा, 'देख, प्रभु का भय मानना यही बुद्धि है और बुराई से दूर रहना यही समझ है।'" (व्यव. 4:6) **[H998 biynah ⚑] [H5493 suwr ⚑] [H2451 chokmah ⚑] [H3374 yirah ⚑]**

यहोवा का भय मानना ही बुद्धि है + बुराई से दूर रहना ही समझ है।

J. नीतिवचन 4:7 बुद्धि श्रेष्ठ है इसलिए उसकी प्राप्ति के लिये यत्न कर; अपना सब कुछ खर्च कर दे ताकि समझ को प्राप्त कर सके। **[H998 biynah ⚑] [H7069 qanah ⚑] [H7225 reshiyth ⚑] [H2451 chokmah ⚑]**

बुद्धि सबसे मुख्य वस्तु है → बुद्धि प्राप्त कर + और अपनी सारी प्राप्ति के साथ समझ प्राप्त कर।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — टैग देखें: principal वही reshiyth (H7225, आरम्भ) है जो नीतिवचन 1:7 में है। यहोवा का भय ज्ञान का reshiyth है, और बुद्धि तुम्हारे सब प्राप्त किए हुए का reshiyth है। पहले काम पहले: उसका भय मानो, और उसे प्राप्त करो।)

K. नीतिवचन 8:17 जो मुझसे प्रेम रखते हैं, उनसे मैं भी प्रेम रखती हूँ, और जो मुझ को यत्न से तड़के उठकर खोजते हैं, वे मुझे पाते हैं। **[H4672 matsa ⚑] [H7836 shachar ⚑]**

जो मुझसे प्रेम रखते हैं, उनसे मैं भी प्रेम रखती हूँ + और जो मुझ को यत्न से तड़के उठकर खोजते हैं, वे मुझे पाते हैं.

L. मत्ती 7:7 "माँगो, तो तुम्हें दिया जाएगा; ढूँढ़ो, तो तुम पाओगे; खटखटाओ, तो तुम्हारे लिये खोला जाएगा। **[G2147 heurisko ⚑] [G2212 zeteo ⚑] [G154 aiteo ⚑]**

माँगो, तो तुम्हें दिया जाएगा + ढूँढ़ो, तो तुम पाओगे + खटखटाओ, तो तुम्हारे लिये खोला जाएगा.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अब बालक को अपनी पूरी शिक्षा प्राप्त हो गई है। बुद्धि उनसे नहीं छिपती जो उसे ढूँढ़ते हैं; वह उनसे प्रेम करती है जो उससे प्रेम करते हैं। माँगो — क्योंकि परमेश्वर उदारता से देता है। ढूँढ़ो — जैसे चाँदी के लिए ढूँढ़ते हो। और प्रभु स्वयं इसे प्रमाणित करते हैं: ढूँढ़ो, और तुम पाओगे। अब जब तुमने उसे पा लिया है, तो उसके साथ चलना सीखो।)

II. चलना — जब यह तेरे पास हो तब इसके साथ क्या करना है

(मेरे व्यक्तिगत विचार — शिशु अपने पैरों पर खड़ा हो गया है; अब चलना आता है। जो बुद्धि मिली है उसे संभाल कर रखना चाहिए, और जो बुद्धि संभाली गई है उसे चलना चाहिए — दिन-प्रतिदिन, घर पर और बाहर, परमेश्वर के सामने और उनके सामने जो बाहर के हैं। इस अवस्था के शब्दों पर ध्यान दें: प्राप्त करो, न भूलो, न त्यागो, संभाल कर रखो, बढ़ाओ, चलो, दिखाओ। बुद्धि कोई खजाना नहीं है जिसे संदूक में रखा जाए; वह मार्ग की संगिनी है।)

A. नीतिवचन 3:13 क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो बुद्धि पाए, और वह मनुष्य जो समझ प्राप्त करे **[H8394 tebuwnah ⚑] [H6329 puwq ⚑] [H2451 chokmah ⚑] [H4672 matsa ⚑] [H835 esher ⚑]**

क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो बुद्धि पाए + और वह मनुष्य जो समझ प्राप्त करे.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ समझ के लिए शब्द है तेबूनाह (H8394, समझ) — स्ट्रॉन्स कहता है बुद्धि, तर्क, कुशलता — उसी मूल बीन (H995, समझना) से। और gets है पूक (H6329) — स्ट्रॉन्स कहता है खींच निकालना, प्राप्त करना। बुद्धि एक बार में सदा के लिए नहीं पाई जाती; वह दिन-प्रतिदिन खींच निकाली जाती है। उस शब्द को थामे रखो; यह दौड़ के अंत में फिर आता है।)

B. नीतिवचन 4:5 बुद्धि को प्राप्त कर, समझ को भी प्राप्त कर; उनको भूल न जाना, न मेरी बातों को छोड़ना। **[H7069 qanah ⚑]**

ज्ञान प्राप्त कर, समझ प्राप्त कर + इसे भूल मत।

C. नीतिवचन 4:6 बुद्धि को न छोड़ और वह तेरी रक्षा करेगी; उससे प्रीति रख और वह तेरा पहरा देगी। **[H5341 natsar ⚑] [H8104 shamar ⚑] [H5800 azab ⚑]**

बुद्धि को न छोड़ और वह तेरी रक्षा करेगी + उससे प्रीति रख और वह तेरा पहरा देगी.

D. नीतिवचन 4:8 उसकी बड़ाई कर, वह तुझको बढ़ाएगी; जब तू उससे लिपट जाए, तब वह तेरी महिमा करेगी। **[H2263 chabaq ⚑] [H5549 calal ⚑]**

उसकी बड़ाई कर, वह तुझको बढ़ाएगी + जब तू उससे लिपट जाए.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इन तीनों में लेन-देन को देखो: उसे मत छोड़ो — वह तुम्हारी रक्षा करेगी। उससे प्रेम करो — वह तुम्हें बनाए रखेगी। उसे बड़ा मानो — वह तुम्हें ऊँचा करेगी। एक व्यक्ति बुद्धि के साथ जो करता है, बुद्धि उस व्यक्ति के साथ वही करती है। उसे थामे रखो, और तुम थामे रहोगे।)

E. नीतिवचन 3:21 हे मेरे पुत्र, ये बातें तेरी दृष्टि की ओट न होने पाए; तू खरी बुद्धि और विवेक की रक्षा कर **[H4209 mezimmah ⚑] [H8454 tuwshiyah ⚑] [H5341 natsar ⚑]**

उन्हें अपनी आंखों से ओझल न होने दे + खरा ज्ञान और विवेक को बनाए रख।

F. नीतिवचन 3:22 तब इनसे तुझे जीवन मिलेगा, और ये तेरे गले का हार बनेंगे। **[H2416 chay ⚑]**

वे तेरे प्राण के लिए जीवन ठहरेंगे + तेरे गले के लिए शोभा ठहरेंगे।

G. भजन संहिता 90:12 हमको अपने दिन गिनने की समझ दे कि हम बुद्धिमान हो जाएँ। **[H2451 chokmah ⚑] [H4487 manah ⚑]**

हमें अपने दिनों को गिनना सिखा → कि हम अपने हृदय को बुद्धि पर लगाएँ।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — मूसा चलने की प्रार्थना करते हैं: हमें अपने दिनों को गिनना सिखा। बुद्धि का मार्ग एक दिन-प्रतिदिन का मार्ग है; जो व्यक्ति अपने दिनों को गिनता है, वह उन्हें भली-भाँति व्यतीत करता है। आज ही अपना हृदय लगाओ।)

H. व्यवस्थाविवरण 4:6 इसलिए तुम उनको धारण करना और मानना; क्योंकि और देशों के लोगों के सामने तुम्हारी बुद्धि और समझ इसी से प्रगट होगी, अर्थात् वे इन सब विधियों को सुनकर कहेंगे, कि निश्चय यह बड़ी जाति बुद्धिमान और समझदार है। **[H2450 chakam ⚑] [H998 biynah ⚑] [H2451 chokmah ⚑] [H8104 shamar ⚑]**

इसलिये उन्हें मानना और करना = यही जातियों की दृष्टि में तुम्हारा ज्ञान और तुम्हारी समझ है।

I. कुलुस्सियों 4:5 अवसर को बहुमूल्य समझकर बाहरवालों के साथ बुद्धिमानी से बर्ताव करो। **[G1805 exagorazo ⚑] [G4678 sophia ⚑] [G4043 peripateo ⚑]**

जो बाहर हैं उनके प्रति बुद्धि से चलो + समय को मोल लेते हुए।

J. इफिसियों 5:15 इसलिए ध्यान से देखो, कि कैसी चाल चलते हो; निर्बुद्धियों के समान नहीं पर बुद्धिमानों के समान चलो। **[G4680 sophos ⚑] [G199 akribos ⚑] [G4043 peripateo ⚑]**

सावधानी से चलो, मूर्खों की नाईं नहीं, परन्तु बुद्धिमानों की नाईं।

K. इफिसियों 5:16 और अवसर को बहुमूल्य समझो, क्योंकि दिन बुरे हैं। (आमो. 5:13, कुलु. 4:5) **[G2540 kairos ⚑] [G1805 exagorazo ⚑]**

और अवसर को बहुमूल्य समझो + क्योंकि दिन बुरे हैं। (आमो. 5:13, कुलु. 4:5.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — मूसा को पॉल के साथ रखें, और चाल एक ही है। इस्राएल ने विधियों को माना, और जातियों ने उनकी बुद्धि देखी; हम उन लोगों के प्रति बुद्धि से चलते हैं जो बाहर हैं। और पॉल दो बार कहता है, समय को छुड़ा लेना — टैग देखें, G1805: स्ट्रॉन्स कहता है खरीद लेना। बुद्धिमान चलनेवाला अपने दिनों को खरीद लेता है, क्योंकि दिन बुरे हैं। चाली गई बुद्धि देखी गई बुद्धि है — और जो बाहर हैं वे देखते हैं।)

L. याकूब 3:13 तुम में ज्ञानवान और समझदार कौन है? जो ऐसा हो वह अपने कामों को अच्छे चाल-चलन से उस नम्रता सहित प्रगट करे जो ज्ञान से उत्पन्न होती है । **[G4240 prautes ⚑] [G391 anastrophe ⚑] [G1990 epistemon ⚑] [G4680 sophos ⚑]**

वह अपने अच्छे चालचलन से अपने कामों को दिखाए + ज्ञान की नम्रता के साथ।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह रहा चलने की अवस्था का प्रमाण: तुम में बुद्धिमान कौन है? वह इसे दिखाए — मुँह से नहीं, बल्कि अच्छे आचरण से, और स्ट्रॉन्स कहता है कि anastrophe (G391, आचरण) का अर्थ है चाल-चलन, जीवन जीने का ढंग। और यह दिखाना नम्रता के साथ होना चाहिए। जो बुद्धि घमण्ड करती है, वह ऊपर से नहीं है। अब चलना सिद्ध हो चुका है; दौड़ने के लिए तैयार हो जाओ।)

III. दौड़ में दौड़ना — परमेश्वर की सेना के सैनिक के समान समर्पित करो

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अब चाल दौड़ बन जाती है, और दौड़ युद्ध बन जाती है। और ध्यान दीजिए इस युद्ध के हथियार पर: यह मानवीय बल नहीं है। बुद्धि बल से उत्तम है; एक बुद्धिमान पुरुष एक नगर की शक्ति को गिरा देता है; हमारे युद्ध के हथियार सांसारिक नहीं हैं। परमेश्वर का सिपाही अपनी बुद्धि इस प्रकार अर्पित करता है जैसे धावक अपना बल अर्पित करता है — प्रभु की दी हुई वाणी, एक तलवार जो परमेश्वर का वचन है, और भेड़ियों के बीच भेजी गई भेड़ों का निर्दोष मार्ग।)

A. सभोपदेशक 9:14 एक छोटा सा नगर था, जिसमें थोड़े ही लोग थे; और किसी बड़े राजा ने उस पर चढ़ाई करके उसे घेर लिया, और उसके विरुद्ध बड़ी मोर्चाबन्दी कर दी। **[H4685 matsowd ⚑]**

एक छोटा नगर था, और उसमें थोड़े ही मनुष्य थे + एक बड़े राजा ने उस पर चढ़ाई की, और उसे घेर लिया।

B. सभोपदेशक 9:15 परन्तु उसमें एक दरिद्र बुद्धिमान पुरुष पाया गया, और उसने उस नगर को अपनी बुद्धि के द्वारा बचाया। तो भी किसी ने उस दरिद्र पुरुष का स्मरण न रखा। **[H4422 malat ⚑] [H2451 chokmah ⚑] [H2450 chakam ⚑] [H4542 micken ⚑] [H4672 matsa ⚑]**

एक निर्धन बुद्धिमान पुरुष ने अपनी बुद्धि से नगर को बचा लिया + तौभी उस निर्धन पुरुष को किसी ने स्मरण न रखा।

C. सभोपदेशक 9:16 तब मैंने कहा, “यद्यपि दरिद्र की बुद्धि तुच्छ समझी जाती है और उसका वचन कोई नहीं सुनता तो भी पराक्रम से बुद्धि उत्तम है।” **[H1369 gebuwrah ⚑] [H2451 chokmah ⚑]**

बुद्धि शक्ति से उत्तम है + दरिद्र मनुष्य की बुद्धि को तुच्छ जाना जाता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इस दौड़ में उस दरिद्र बुद्धिमान पुरुष को अपनी आँखों के सामने रखिए। महान राजा घेराबंदी के साधनों के साथ आया; दरिद्र पुरुष बुद्धि के साथ आया; और नगर बच गया। बुद्धि बल से उत्तम है — भले ही लोग उसे तुच्छ समझें, और उस पुरुष को याद न रखें। लोगों की स्मृति के लिए मत दौड़िए; बचाया हुआ नगर ही पर्याप्त है, और परमेश्वर नहीं भूलता।)

D. नीतिवचन 24:5 वीर पुरुष बलवान होता है, परन्तु ज्ञानी व्यक्ति बलवान पुरुष से बेहतर है। **[H3581 koach ⚑] [H1847 daath ⚑] [H5797 oz ⚑] [H2450 chakam ⚑]**

वीर पुरुष बलवान होता है + परन्तु ज्ञानी व्यक्ति बलवान पुरुष से बेहतर है.

E. नीतिवचन 21:22 बुद्धिमान शूरवीरों के नगर पर चढ़कर, उनके बल को जिस पर वे भरोसा करते हैं, नाश करता है। **[H5797 oz ⚑] [H1368 gibbor ⚑] [H5927 alah ⚑] [H2450 chakam ⚑]**

बुद्धिमान शूरवीरों के नगर पर चढ़कर + उनके बल को जिस पर वे भरोसा करते हैं, नाश करता है.

F. 2 कुरिन्थियों 10:4 क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं। **[G3794 ochuroma ⚑] [G4752 strateia ⚑]**

क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं + पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — सुलैमान को पौलुस के साथ रखें। बुद्धिमान पुरुष पराक्रमी की नगरी पर चढ़ाई करता है और उसके बल को गिरा देता है; मसीह का सिपाही गढ़ों को ढा देता है — और उसके हथियार सांसारिक नहीं, परन्तु परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं। बुद्धि का युद्ध मानवीय शक्ति से नहीं जीता जाता। यह वचन से जीता जाता है।)

G. इफिसियों 6:17 और उद्धार का टोप, और आत्मा की तलवार जो परमेश्वर का वचन है, ले लो। (यशा. 49:2, इब्रा. 4:12, यशा. 59:17) **[G4487 rhema ⚑] [G3162 machaira ⚑]**

मुक्ति का टोप और आत्मा की तलवार, अर्थात् परमेश्वर का वचन ले लो।

H. लूका 21:15 क्योंकि मैं तुम्हें ऐसा बोल और बुद्धि दूँगा, कि तुम्हारे सब विरोधी सामना या खण्डन न कर सकेंगे। **[G436 anthistemi ⚑] [G471 antepo ⚑] [G4678 sophia ⚑] [G4750 stoma ⚑] [G1325 didomi ⚑]**

क्योंकि मैं तुम्हें ऐसा बोल और बुद्धि दूँगा + कि तुम्हारे सब विरोधी सामना या खण्डन न कर सकेंगे.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — सिपाही आपत्ति करता है, और सेनापति आपूर्ति करता है। परीक्षा की घड़ी में ज्ञान आपका अपना संचित ज्ञान नहीं होता; मैं तुम्हें दूँगा, प्रभु कहते हैं — ऐसा मुख और ऐसा ज्ञान जिसका कोई भी शत्रु खंडन नहीं कर सकेगा। जिसने आरंभ में दिया — परमेश्वर से मांगो — वही युद्ध में देता है। अपना मुख अर्पित करो, और वह उसे भर देगा।)

I. 2 तीमुथियुस 3:15 और बालकपन से पवित्रशास्त्र तेरा जाना हुआ है, जो तुझे मसीह पर विश्वास करने से उद्धार प्राप्त करने के लिये बुद्धिमान बना सकता है। **[G4991 soteria ⚑] [G4679 sophizo ⚑] [G1121 gramma ⚑] [G1025 brephos ⚑]**

बचपन से तू पवित्र शास्त्र को जानता है → जो तुझे उद्धार के लिये बुद्धिमान बना सकते हैं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पूरे मार्ग को एक ही स्थान पर देखें: एक बालक — ब्रेफोस (G1025, बालक) — स्ट्रॉन्स कहता है एक शिशु — से लेकर उद्धार तक। और इनके बीच का मार्ग पवित्र शास्त्र हैं, जो तुम्हें बुद्धिमान बनाने में समर्थ हैं — सोफ़िज़ो (G4679, बुद्धिमान बनाना)। इस दौड़ की तलवार वही पुस्तक है जिसे तुम बचपन से जानते थे। इसे कभी अपने से दूर मत करो।)

J. मत्ती 10:16 "देखो, मैं तुम्हें भेड़ों की तरह भेड़ियों के बीच में भेजता हूँ इसलिए साँपों की तरह बुद्धिमान और कबूतरों की तरह भोले बनो। **[G185 akeraios ⚑] [G5429 phronimos ⚑]**

भेड़ों के समान भेड़ियों के बीच में भेजा गया + सांपों के समान बुद्धिमान, और कबूतरों के समान भोले।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — ध्यान दें कि प्रभु ने कौन-सा शब्द चुना। यहाँ सोफ़ोस (G4680, बुद्धिमान) नहीं, बल्कि फ्रोनिमोस (G5429, बुद्धिमान) — स्ट्रॉन्स कहता है सोच-समझकर चलने वाला, विवेकी। भेड़ियों के बीच सैनिक को मार्ग की सजग बुद्धिमानी चाहिए; और उसके साथ अकेराइओस (G185, निर्दोष), जिसका अर्थ स्ट्रॉन्स के अनुसार है मिलावट-रहित। सर्प के समान सजग, कबूतर के समान मिलावट-रहित: भेजे गए व्यक्ति की चाल यही है।)

K. याकूब 3:15 यह ज्ञान वह नहीं, जो ऊपर से उतरता है वरन् सांसारिक, और शारीरिक, और शैतानी है। **[G5591 psuchikos ⚑] [G1919 epigeios ⚑]**

यह ज्ञान वह नहीं, जो ऊपर से उतरता है वरन् सांसारिक + और शारीरिक, और शैतानी है.

L. याकूब 3:17 पर जो ज्ञान ऊपर से आता है वह पहले तो पवित्र होता है फिर मिलनसार, कोमल और मृदुभाव और दया, और अच्छे फलों से लदा हुआ और पक्षपात और कपटरहित होता है। **[G1516 eirenikos ⚑] [G53 hagnos ⚑] [G509 anothen ⚑] [G4678 sophia ⚑]**

ऊपर से आने वाला ज्ञान पहले पवित्र है, फिर मिलनसार, दया और अच्छे फलों से भरपूर है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इस मैदान में दो बुद्धियाँ मिलती हैं, और सैनिक को एक को दूसरे से पहचानना होगा। एक बुद्धि नीचे से है — पार्थिव, इन्द्रिय-सम्बन्धी, शैतानी; और एक बुद्धि ऊपर से है — जो पहले पवित्र है, फिर मिलनसार। क्रम पर ध्यान दो: पवित्रता पहले। जो शान्ति पवित्रता को बेच दे, वह ऊपर से नहीं है। शुद्ध बुद्धि के साथ लड़ो, तो दौड़ अंतिम कदम तक भली भाँति पूरी होती है।)

IV. अंतिम रेखा — बुद्धि, और वचन, सर्वदा बना रहता है

(मेरे निजी विचार — हर दौड़ का एक अंत होता है, और यह अंत कोई दीवार नहीं है; यह एक व्यक्ति है। इस पूरे अध्ययन में हमने बुद्धि को एक ऐसी वस्तु के रूप में खोजा जिसे प्राप्त करना है; अंतिम रेखा पर वह खड़ी होती है और उसका एक नाम है: मसीह, परमेश्वर की सामर्थ्य, और परमेश्वर की बुद्धि। जिन खज़ानों के लिए तुमने खोदा, वे उसी में छिपे हैं। और बुद्धि उस दौड़ से भी पुरानी है — अनादि काल से, इससे पहले कि पृथ्वी कभी बनी। जो बुद्धि के पीछे दौड़ता है, वह उसके पीछे दौड़ता है जो कभी नष्ट नहीं हो सकता।)

A. 1 कुरिन्थियों 1:24 परन्तु जो बुलाए हुए हैं क्या यहूदी, क्या यूनानी, उनके निकट मसीह परमेश्वर की सामर्थ्य, और परमेश्वर का ज्ञान है। **[G4678 sophia ⚑] [G1411 dunamis ⚑]**

मसीह = परमेश्वर की सामर्थ्य, और परमेश्वर का ज्ञान।

B. 1 कुरिन्थियों 1:30 परन्तु उसी की ओर से तुम मसीह यीशु में हो, जो परमेश्वर की ओर से हमारे लिये ज्ञान ठहरा अर्थात् धार्मिकता, और पवित्रता, और छुटकारा। (इफि. 1:7, रोम. 8:1) **[G629 apolutrosis ⚑] [G38 hagiasmos ⚑] [G4678 sophia ⚑]**

मसीह यीशु = हमारे लिए बनाए गए ज्ञान + धार्मिकता + पवित्रीकरण + छुटकारा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ सारी खोज समाप्त हो जाती है। बुद्धि, अन्ततः, कोई वस्तु ही नहीं है; वह एक व्यक्ति है, और वह हमारे लिये बनाया गया है। तुमने परमेश्वर से बुद्धि माँगी; परमेश्वर ने तुम्हें अपना पुत्र दिया। जिसके पास मसीह है, उसके पास बुद्धि है, और धार्मिकता, और पवित्रीकरण, और उसके साथ छुटकारा भी है।)

C. कुलुस्सियों 2:3 जिसमें बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार छिपे हुए हैं। **[G1108 gnosis ⚑] [G4678 sophia ⚑] [G2344 thesauros ⚑] [G614 apokruphos ⚑]**

जिसमें बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार छिपे हुए हैं.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — रेंगने के उन दिनों को याद करें: उसे ऐसे खोजें जैसे छिपे हुए खजानों को। अब देखें कि खजाने आरम्भ से कहाँ छिपे थे — उसी में। कुछ खजाने नहीं; सारे। जिसने मसीह की ओर खोदा, उसने भली प्रकार खोदा।)

D. 1 कुरिन्थियों 2:7 परन्तु हम परमेश्वर का वह गुप्त ज्ञान, भेद की रीति पर बताते हैं, जिसे परमेश्वर ने सनातन से हमारी महिमा के लिये ठहराया। **[G4309 proorizo ⚑] [G613 apokrupto ⚑] [G3466 musterion ⚑] [G4678 sophia ⚑]**

परमेश्वर का ज्ञान एक रहस्य में + जिसे परमेश्वर ने जगत से पहले हमारी महिमा के लिये ठहराया।

E. नीतिवचन 8:22 "यहोवा ने मुझे काम करने के आरम्भ में, वरन् अपने प्राचीनकाल के कामों से भी पहले उत्पन्न किया । **[H7225 reshiyth ⚑] [H7069 qanah ⚑]**

यहोवा ने आदि में अपने मार्ग के आरम्भ में मुझे उत्पन्न किया, प्राचीनकाल में अपनी सृष्टि के कामों से पहले।

F. नीतिवचन 8:23 मैं सदा से वरन् आदि ही से पृथ्वी की सृष्टि से पहले ही से ठहराई गई हूँ। **[H5769 owlam ⚑]**

मैं अनादिकाल से ठहराई गई थी, इससे पहले कि पृथ्वी थी।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — टैगों पर ध्यान दें, और पूरी पुस्तक में एक सूत्र देखें। "प्राप्त करो" है क़ानाह (H7069, प्राप्त करना) — बुद्धि प्राप्त करो; और यहाँ "अधिकार में रखा" वही क़ानाह है: यहोवा ने अपनी गति के रेशीथ (H7225, आरंभ) में बुद्धि को अधिकार में रखा। जो परमेश्वर तुमसे प्राप्त करने को कहता है, वह उसके पास अनादिकाल से रहा है। और पौलुस कहता है कि छिपी हुई बुद्धि जगत की उत्पत्ति से पहले हमारी महिमा के लिए ठहराई गई थी — अंतिम रेखा पृथ्वी के अस्तित्व में आने से पहले ही बिछाई जा चुकी थी।)

G. नीतिवचन 8:35 क्योंकि जो मुझे पाता है, वह जीवन को पाता है, और यहोवा उससे प्रसन्न होता है। **[H7522 ratsown ⚑] [H6329 puwq ⚑] [H2416 chay ⚑] [H4672 matsa ⚑]**

क्योंकि जो मुझे पाता है, वह जीवन को पाता है + और यहोवा उससे प्रसन्न होता है.

H. दानिय्येल 12:3 तब बुद्धिमानों की चमक आकाशमण्डल की सी होगी, और जो बहुतों को धर्मी बनाते हैं, वे सर्वदा तारों के समान प्रकाशमान रहेंगे। (मत्ती 13:43) **[H2096 zohar ⚑] [H2094 zahar ⚑] [H7919 sakal ⚑]**

जो बुद्धिमान हैं वे आकाशमण्डल के प्रकाश के समान + तारागण के समान सदा सर्वदा के लिये चमकेंगे।

I. नीतिवचन 3:35 बुद्धिमान महिमा को पाएँगे, परन्तु मूर्खों की बढ़ती अपमान ही की होगी। **[H3519 kabowd ⚑] [H5157 nachal ⚑] [H2450 chakam ⚑]**

बुद्धिमान महिमा को पाएँगे.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ धावक का मुकुट प्रकाश और महिमा है: बुद्धिमान चमकेंगे, सदा-सर्वदा के लिए; बुद्धिमान महिमा के वारिस होंगे। और यह धावक के अपने नाम के लिए नहीं है — जो बहुतों को धार्मिकता की ओर फेरते हैं। वह गरीब बुद्धिमान मनुष्य जिसे किसी ने याद न रखा — परमेश्वर उसे स्मरण रखता है, और उसे एक तारे के रूप में स्थापित करता है।)

J. भजन संहिता 111:10 बुद्धि का मूल यहोवा का भय है; जितने उसकी आज्ञाओं को मानते हैं, उनकी समझ अच्छी होती है। उसकी स्तुति सदा बनी रहेगी। **[H5975 amad ⚑] [H2451 chokmah ⚑] [H7225 reshiyth ⚑] [H3374 yirah ⚑]**

बुद्धि का मूल यहोवा का भय है + उसकी स्तुति सदा बनी रहेगी.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह भजन आपको पहले घुटनों के बल चलने से लेकर अंतिम पंक्ति तक एक ही स्थान पर ले जाता है: यहोवा का भय, जो आरंभ है — और स्तुति जो सदा बनी रहती है। जहाँ दौड़ आरंभ हुई, वहाँ गीत कभी समाप्त नहीं होता।)

K. यशायाह 40:8 घास तो सूख जाती, और फूल मुर्झा जाता है; परन्तु हमारे परमेश्वर का वचन सदैव अटल रहेगा । (1 पत. 1:24,25) **[H1697 dabar ⚑]**

घास तो सूख जाती, और फूल मुर्झा जाता है + परन्तु हमारे परमेश्वर का वचन सदैव अटल रहेगा । (1 पत. 1:24,25.

L. मत्ती 24:35 आकाश और पृथ्वी टल जाएँगे, परन्तु मेरे शब्द कभी न टलेंगे। **[G3056 logos ⚑]**

आकाश और पृथ्वी टल जाएँगे + परन्तु मेरे शब्द कभी न टलेंगे.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पवित्रशास्त्र ने तुझे उद्धार पाने के लिये बुद्धिमान बनाया; और पवित्रशास्त्र तब भी बना रहता है जब दौड़ पूरी हो जाती है, और जब आकाश और पृथ्वी टल जाते हैं। बुद्धि अनादिकाल से थी, और वचन सर्वदा बना रहता है: जो व्यक्ति इनके लिये दौड़ता है, वह उसके लिये दौड़ता है जो सदा बना रहता है। इस दौड़ का कुछ भी रेखा पर व्यर्थ नहीं जाता।)

दो के मुख

नीतिवचन 2:6 क्योंकि बुद्धि यहोवा ही देता है; ज्ञान और समझ की बातें उसी के मुँह से निकलती हैं। (याकू. 1:5) **[H2451 chokmah ⚑] [H5414 nathan ⚑]**

क्योंकि बुद्धि यहोवा ही देता है + ज्ञान और समझ की बातें उसी के मुँह से निकलती हैं। (याकू. 1:5.

दानिय्येल 2:21 समयों और ऋतुओं को वही पलटता है; राजाओं का अस्त और उदय भी वही करता है; बुद्धिमानों को बुद्धि और समझवालों को समझ भी वही देता है; **[H2452 chokmah ⚑]**

वह बुद्धिमानों को बुद्धि देता है + समझ रखनेवालों को ज्ञान देता है।

याकूब 1:5 पर यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो, तो परमेश्वर से माँगो, जो बिना उलाहना दिए सब को उदारता से देता है; और उसको दी जाएगी। **[G154 aiteo ⚑] [G4678 sophia ⚑]**

ईश्वर से माँगो + यह उसे दिया जाएगा।

2 कुरिन्थियों 13:1 अब तीसरी बार तुम्हारे पास आता हूँ: दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15) **[G3144 martus ⚑]**

दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — तीन साक्षी, और एक ही गवाही: बुद्धि परमेश्वर द्वारा दी जाती है। सुलैमान कहता है, यहोवा बुद्धि देता है। दानिय्येल कहता है, वह बुद्धिमानों को बुद्धि देता है। याकूब कहता है, परमेश्वर से माँगो, और वह दी जाएगी। न धन से मोल ली जाती है, न लोगों से सीखी जाती है — दी जाती है। दो या तीन गवाहों के मुख से बात स्थिर होती है: दाता के पास जाओ।)

छाया और पूर्णता

Shadow **1 राजाओं 3:12** मैं तेरे वचन के अनुसार करता हूँ, तुझे बुद्धि और विवेक से भरा मन देता हूँ, यहाँ तक कि तेरे समान न तो तुझ से पहले कोई कभी हुआ, और न बाद में कोई कभी होगा। **[H995 biyn ⚑] [H2450 chakam ⚑]**

मैंने तुझे बुद्धिमान और समझदार हृदय दिया है + तेरे तुल्य कोई नहीं।

Shadow **1 राजाओं 10:24** और समस्त पृथ्वी के लोग उसकी बुद्धि की बातें सुनने को जो परमेश्वर ने उसके मन में उत्पन्न की थीं, सुलैमान का दर्शन पाना चाहते थे। **[H2451 chokmah ⚑] [H1245 baqash ⚑]**

सारी पृथ्वी सुलैमान से उसका बुद्धि सुनने के लिए ढूंढती थी, जो परमेश्वर ने उसके मन में डाली थी।

Fulfillment **मत्ती 12:42** दक्षिण की रानी न्याय के दिन इस युग के लोगों के साथ उठकर उन्हें दोषी ठहराएगी, क्योंकि वह सुलैमान का ज्ञान सुनने के लिये पृथ्वी के छोर से आई, और यहाँ वह है जो सुलैमान से भी बड़ा है। **[G4119 pleion ⚑] [G4678 sophia ⚑]**

वह पृथ्वी की छोर से सुलैमान का ज्ञान सुनने के लिए आई थी → यहाँ तो सुलैमान से भी बड़ा है।

Fulfillment **लूका 2:52** और यीशु बुद्धि और डील-डौल में और परमेश्वर और मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ता गया। (1 शमू. 2:26, नीति. 3:4) **[G4678 sophia ⚑] [G4298 prokopto ⚑]**

और यीशु बुद्धि और डील-डौल में और परमेश्वर और मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ता गया + 1 शमू. 2:26, नीति. 3:4.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — सुलैमान ने माँगा, और बुद्धि उसे दी गई, और सारी पृथ्वी उसे सुनने आई। वह छाया है। वास्तविकता कहीं बड़ी है: एक बालक बुद्धि में बढ़ता गया — वह सारा मार्ग स्वयं चला, बालक से लेकर क्रूस तक — और उसके विषय में कहा गया है, सुलैमान से भी बड़ा यहाँ है। सुलैमान की बुद्धि ने रानी को पृथ्वी के दूर-दूर स्थानों से खींच लाया; मसीह स्वयं परमेश्वर की बुद्धि है, और उसी में सारे भंडार छिपे हुए हैं। उससे भी आगे आओ जितना वह आई थी, और उससे भी अधिक पाओ जितना उसने पाया था।)

समापन

नीतिवचन 4:18 परन्तु धर्मियों की चाल, भोर-प्रकाश के समान है, जिसकी चमक दोपहर तक बढ़ती जाती है। **[H216 owr ⚑] [H734 orach ⚑]**

परन्तु धर्मियों की चाल, भोर-प्रकाश के समान है + जिसकी चमक दोपहर तक बढ़ती जाती है.

कुलुस्सियों 1:9 इसलिए जिस दिन से यह सुना है, हम भी तुम्हारे लिये यह प्रार्थना करने और विनती करने से नहीं चूकते कि तुम सारे आत्मिक ज्ञान और समझ सहित परमेश्वर की इच्छा की पहचान में परिपूर्ण हो जाओ **[G4907 sunesis ⚑] [G4678 sophia ⚑] [G4137 pleroo ⚑]**

ताकि तुम सारे ज्ञान और आत्मिक समझ में उसकी इच्छा की पहचान से परिपूर्ण हो जाओ।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अब पूरे रास्ते को घर तक इकट्ठा करें। पहले घुटनों के बल चलना: बुद्धि कहाँ पाई जाती है? परमेश्वर से माँगो, उसके पीछे पुकारो, उसे चाँदी की नाईं खोजो — और यहोवा के भय से आरंभ करो। फिर चलना: उसे प्राप्त करो, उसे मत त्यागो, उसे सम्मानित करो; उन लोगों की ओर बुद्धि से चलो जो बाहर हैं, और उसे नम्रता से दिखाओ। फिर दौड़ और युद्ध: बुद्धि बल से उत्तम है; हथियार सांसारिक नहीं हैं; ऐसा मुँह और बुद्धि दी गई है जिसका कोई भी शत्रु खण्डन नहीं कर सकता; पवित्रशास्त्र तुझे उद्धार के लिये बुद्धिमान बनाने में समर्थ हैं। फिर पंक्ति: मसीह, परमेश्वर की सामर्थ्य और परमेश्वर की बुद्धि, हमारे लिये बुद्धि बनाया गया — जो अनादिकाल से यहोवा के पास था — और बुद्धिमान लोग सदा सर्वदा तारागणों के समान चमकेंगे। धर्मियों का मार्ग परिपूर्ण दिन तक अधिकाधिक चमकता जाता है: यह चाल अन्त में धुंधली नहीं होती; यह उज्ज्वल होती जाती है। चलते रहो, और चमकते रहो।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. याकूब 1:5 — यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो, तो परमेश्वर से मांगे, जो बिना उलाहना दिए सब को उदारता से देता है, और:

a) उलाहना नहीं देता
b) थकाता नहीं
c) नहीं भूलता

2. नीतिवचन 4:7 — बुद्धि सबसे मुख्य वस्तु है; इसलिये:

a) समझ प्राप्त करो
b) बुद्धि प्राप्त करो
c) ज्ञान प्राप्त करना

3. सभोपदेशक 9:15 — तब उस में एक कंगाल बुद्धिमान पुरुष मिला, और उस ने अपनी बुद्धि से:

a) शूरवीरों के नगर पर चढ़ाई करता है
b) तुच्छ जाना गया, और उसके वचन सुने नहीं गए
c) नगर को छुड़ाया

4. लूका 21:15 — क्योंकि मैं तुम्हें ऐसा मुख और ज्ञान दूंगा, जिसका सामना तुम्हारे सारे विरोधी न कर सकेंगे, और न उसका खण्डन कर सकेंगे।
a) उत्तर देने या विरोध करने
b) खंडन और न पराजित
c) न खंडन करना और न प्रतिरोध करना

5. याकूब 3:17 — परन्तु जो ज्ञान ऊपर से है वह पहिले तो पवित्र है, फिर:
a) शांतिप्रिय, फिर पवित्र
b) पवित्र, फिर मेल-मिलाप कराने वाली
c) कोमल, फिर शुद्ध

6. नीतिवचन 8:22 — यहोवा ने अपनी सृष्टि के आदि में मुझे उत्पन्न किया, अपने पुरातन कामों में मुझे सृजा।
a) या पृथ्वी के होने से पहले
b) उसके प्राचीन कार्यों से पहले
c) अनादि काल से

7. 1 कुरिन्थियों 2:7 — परन्तु हम परमेश्वर के ज्ञान की गुप्त बात भेद की रीति पर कहते हैं, अर्थात उस छिपे हुए ज्ञान की बात जिसे परमेश्वर ने जगत की उत्पत्ति से पहले हमारी महिमा के लिये पहले से ठहराया था:
a) उद्धार के लिये
b) सब प्रकार से प्रसन्नता के योग्य
c) हमारी महिमा के लिए

उत्तर कुंजी: 1-a, 2-b, 3-c, 4-c, 5-b, 6-b, 7-c

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

छाया कैसे प्रकाश लाती है: सुलैमान को बुद्धि दी गई थी, और सारी पृथ्वी उसे सुनने के लिये ढूंढ़ती थी (1 राजा 10:24); दक्षिण की रानी पृथ्वी की छोर से आई, और यहाँ सुलैमान से भी बड़ा है (मत्ती 12:42) — और वह बड़ा स्वयं परमेश्वर की बुद्धि है (1 कुरिन्थियों 1:24), जो अपने ही अध्ययन के लिये तैयार है।

नई वाचा इसे कैसे स्पष्ट करती है: बालक को आज्ञा दी गई थी कि वह बुद्धि को ऐसे खोजे जैसे छिपे हुए धन को (नीतिवचन 2:4); प्रेरित दिखाता है कि वे कहाँ रखे हैं — जिसमें बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार छिपे हुए हैं (कुलुस्सियों 2:3) — खुदाई का अंत एक व्यक्ति में होता है।

शब्दों का महत्व कैसे है: नीतिवचन 1:7 में आरंभ में है रेशीथ (H7225 — प्रथम, प्रधान), और नीतिवचन 9:10 में आरंभ में है तेखिल्लाह (H8462 — एक शुरुआत); और बुद्धि मुख्य वस्तु है — फिर से रेशीथ (नीतिवचन 4:7) — और यहोवा ने अपने मार्ग के रेशीथ में बुद्धि को धारण किया (नीतिवचन 8:22) — ध्यान दो कि कौन सा शब्द किस स्थान पर है, और क्यों।

यह अनंतकाल तक कैसे पहुँचती है: बुद्धि अनादिकाल से स्थापित की गई थी (नीतिवचन 8:23), छिपा हुआ ज्ञान जगत की उत्पत्ति से पहले हमारी महिमा के लिये ठहराया गया था (1 कुरिन्थियों 2:7), और बुद्धिमान लोग सदा-सर्वदा के लिये ताराओं के समान चमकेंगे (दानिय्येल 12:3)।

रैबिट ट्रेल: एक ही अध्याय में दो बुद्धियाँ खड़ी हैं — ऊपर से आने वाली बुद्धि, जो पहले पवित्र है, और एक सांसारिक, वासनामय, शैतानी बुद्धि (याकूब 3:15-17) — दो स्रोत, दो फल — इसे खोज निकालो।

संभावित प्रकटीकरण: नीतिवचन 3:13 में "पाता है" और नीतिवचन 8:35 में "प्राप्त करता है" एक ही हिब्रू शब्द हैं (H6329 PUWQ — बाहर खींचना) — जो मनुष्य दिन-प्रतिदिन समझ को बाहर खींचता है, वही अंत में जीवन को, और यहोवा के अनुग्रह को भी बाहर खींचता है।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.
Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).
Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).
Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).
© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).